17 जुलाई 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार चीन ने जून में 449,649 मीट्रिक टन कच्चे तांबे और तांबे के उत्पादों का आयात किया, जो एक साल पहले की तुलना में 16.4% कम है।
- पेरू के ऊर्जा और खनन मंत्रालय ने कहा कि देश में तांबे का उत्पादन पिछले साल के समान महीने की तुलना में मई में लगभग 35% बढ़ गया।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मई के 4.31 प्रतिशत से बढ़कर जून में 4.8 प्रतिशत हो गया।
- कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने वर्ष 2022-23 के लिए भारत के कपास उत्पादन को संशोधित कर 311.18 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) कर दिया है।
- ब्राजील से बड़ी खरीद के बाद जून में चीन का सोया आयात 25% बढ़ा। चीन ने जून में 10.27 मिलियन मीट्रिक टन सोयाबीन का आयात किया, जो एक साल पहले से 24.5% अधिक है।
- जून में अमेरिकी सोयाबीन की पेराई 170.568 मिलियन बुशल हुई है, जो मई में संसोधित 177.915 मिलियन बुशल से 4.1% कम है, लेकिन जून 2022 में 164.677 मिलियन बुशल की पेराई से 3.6% अधिक है: एनओपीए।
- अप्रैल-जून में भारत का इस्पात उत्पादन 8.37% बढ़कर 33.63 मीट्रिक टन हो गया।
- भारत ने सादे सोने के आभूषणों पर आयात प्रतिबंधित कर दिया। एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि सोने के आयात को मुक्त श्रेणी से हटाकर प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है, जिसमें कहा गया है कि भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत आयात को बिना किसी लाइसेंस के अनुमति दी जाएगी।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	07.07.23	13.07.23	बदलाव (%)
हल्दी	9742.00	11296.00	15.95%
ग्वारगम	10385.00	11240.00	8.23%
ग्वारसीड	5353.00	5596.00	4.54%
धनिया	6668.00	6836.00	2.52%
सीसेमसीड	16645.00	17025.00	2.28%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	07.07.23	13.07.23	बदलाव (%)
एल्युमीनियम	196.85	203.20	3.23%
कच्चा तेल	6082.00	6257.00	2.88%
तांबा	723.30	740.55	2.38%
सोना	59124.00	59696.00	0.97%
सोना एम	59012.00	59540.00	0.89%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	07.07.23	13.07.23	बदलाव (%)
स्अील	45590.00	44740.00	-1.86%
जीरा	58300.00	57355.00	-1.62%
जौ	1893.00	1876.00	-0.90%
कॉटनऑयलसीडकेक	2398.00	2379.00	-0.79%
धान	4123.00	4106.00	-0.41%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	07.07.23	13.07.23	बदलाव (%)
मेंथा ऑयल	916.40	895.70	-2.26%
नेचुरल गैस	212.50	210.80	-0.80%
निकल	1780.00	1768.70	-0.63%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी इंडेक्स में तेजी बरकरार रही क्योंकि अमेरिकी सीपीआई आंकड़ों में गिरावट के कारण मौद्रिक सख्ती में ठहराव की उम्मीद से कई कमोडिटीजें में मजबूती दर्ज की गई । सीआरबी इंडेक्स 301 का आंकड़ा पार कर गया। डॉलर इंडेक्स में गिरावट से कमोडिटी में खरीदारी को बढ़ावा मिला। जून में अमेरिकी उपभोक्ता कीमतों में नरमी के आंकड़ों के बाद बुधवार को डॉलर एक साल से अधिक समय में सबसे निचले स्तर पर लुढ़क गया, जिससे पता चलता है कि फेडरल रिजर्व को इस साल केवल एक बार ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। लंबे समय तक एक दायरे में स्थिर रहने के बाद सोने की कीमतों में तेजी आई है। चांदी ने सोने को पछाड़ दिया और तीसरे सप्ताह लगातार तेजी देखी गई। जून में अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) उम्मीद से कम बढ़ने के आंकड़ों के बाद डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में गिरावट को देखते हुए, सोने की कीमतों ने बुधवार को दो महीने से अधिक समय में एक दिन में सबसे अधिक बढ़त दर्ज किया। ऊर्जा क्षेत्र में, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह बहुत जोरदार तेजी देखी गई, जबकि नेचुरल गैस की कीमतों ने अपनी पिछली बढ़त को कुछ गवां दिया। वैश्विक स्तर पर बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें गुरुवार को 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई, जिसे अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों से बढ़ावा मिला, जिसमें अनुमान लगाया था कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में ब्याज दर वृद्धि चक्र अंतत: बंद होने वाला है। लेकिन, अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में चार सप्ताह में सबसे अधिक वृद्धि हुई है क्योंकि बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे रिफाइनरों द्वारा कई हफ्तों के भारी प्रसंस्करण के बाद गर्मियों की शुरुआत में मोटर ईंधन की मांग अधिकतम स्तर पर पहुंच गई है। अमेरिका से बेहतर मुद्रास्फीति आंकड़ों से बेस मेटल में कुछ आत्मविश्वास आया। बेस मेटल की कीमतों को इस अटकल से समर्थन मिला कि चीन धीमी आर्थिक सुधार का समर्थन करने के लिए अधिक प्रोत्साहन उपाय करेगा।

कृषि कमोडिटीज में अरंडी की कीमतें लगातार दूसरे सप्ताह फिसल गई। कॉटन ऑयल सीड केक की कीमतें तेजी के रुझान के साथ एक दायरे में रही। कपास के उत्पादन क्षेत्र में कमी के कारण कपास की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र और तेलंगाना में धीमी बुआई प्रगति के कारण 7 जुलाई तक कपास का बुआई क्षेत्र पिछले वर्ष की तुलना में 10% कम रह गया है।कम उत्पादन की आशंका से ग्वार की कीमतों में तेजी देखी गई। मसालों में, मुनाफावसूली के कारण जीरा की कीमतों में गिरावट हुई, जबकि धनिया और हल्दी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। प्रमुख हल्दी उत्पादक राज्यों में अत्यधिक वर्षा के कारण फसल खराब होने की बढ़ती आशंका के कारण हल्दी की कीमतें बढ़ीं। आईएमडी ने सप्ताह के दौरान महाराष्ट्र और तेलंगाना में भारी वर्षा का अनुमान लगाया है जिससे फसल को नुकसान होगा। प्रमुख हल्दी उत्पादक राज्यों में अत्यधिक वर्षा के कारण फसल खराब होने की बढ़ती आशंका के कारण जीरा की कीमतों में गिरावट सीमित रही। प्रमुख धनिया उत्पादक राज्यों में अत्यधिक वर्षा के कारण फसल खराब होने की बढ़ती आशंका के कारण धनिया की कीमतों में उछाल आया। बाजार में नई फसल की आपूर्ति बढ़ने से मेंथा ऑयल की कीमतें 900 के नीचे कारोबार कर रही है।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	07.07.2023	13.07.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	1,888.15	1,873.30	-0.79%
चना	दिल्ली	5,162.55	5,200.85	0.74%
धनिया	कोटा	6,796.20	6,877.30	1.19%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	818.75	814.25	-0.55%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1,440.55	1,441.25	0.05%
ग्वारसीड	जोधपुर	5,451.65	5,699.40	4.54%
ग्वारगम	जोधपुर	10,643.30	11,503.20	8.08%
जीरा	ऊंझा	59,224.80	58,927.00	-0.50%
सरसों	जयपुर	5,500.00	5,604.40	1.90%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	960.00	945.00	-1.56%
सोयाबीन	इंदौर	5,061.55	5,048.60	-0.26%
हल्दी	निजामाबाद	9,056.35	10,343.55	14.21%
गेहूं	दिल्ली	2,452.05	2,438.05	-0.57%
कॉटन	कड़ी	26,771.65	26,736.55	-0.13%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2,602.20	2,596.90	-0.20%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	07.07.2023	13.07.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2145.50	2265.50	5.59%
तांबा	LME	नकद	8370.50	8630.00	3.10%
लेड	LME	नकद	2052.50	2106.50	2.63%
निकल	LME	नकद	20804.00	21300.00	2.38%
जिंक	LME	नकद	2362.00	2439.50	3.28%
सोना	COMEX	अगस्त	1932.50	1959.50	1.40%
चांदी	COMEX	अगस्त	23.17	24.82	7.11%
लाइट क्रूड	NYMEX	अगस्त	73.86	76.72	3.87%
नेचुरल गैस	NYMEX	अगस्त	2.58	2.55	-1.39%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	07.07.2023	13.07.2023	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	अगस्त	14.85	15.18	2.22%
सोया तेल	CBOT	अगस्त	66.55	69.67	4.69%
कॉटन	ICE	दिसम्बर	81.20	82.79	1.96%
सीपीओ	BMD	सितम्बर	3,834.00	3,865.00	0.81%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	06.07.2023 क्वांटिटी	13.07.2023 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	0	0	0
मक्का	मी.टन	0	550	550
कैस्टर सीड	मी.टन	7936	5607	-2329
चना	मी.टन	11518	11510	-8
धनिया	मी.टन	18497	18475	-22
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	16167	15616	-551
ग्वारगम	मी.टन	19459	18926	-533
ग्वारसीड	मी.टन	180	180	0
जीरा	मी.टन	7001	6368	-633
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉन्ग	मी.टन	632	632	0
हल्दी	मी.टन	1054	1083	29

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	06.07.2023 क्वांटिटी	13.07.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	472	472	0
तांबा	मी.टन	1113281	993963	-119318
सोना	किग्रा	358	358	0
सोना मिनी	किग्रा	2824	2824	0
सोना गिनी	किग्रा	358300	379600	21300
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	77205	76443	-762
चांदी एम	किग्रा	40502	40502	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 07.07.2023	स्टॉक की स्थिति 13.07.2023	अंतर
एल्युमीनियम	534075	532100	-1975.00
तांबा	59425	54225	-5200.00
निकल	37944	37482	-462.00
लेड	44350	46650	2300.00
जिंक	73500	71750	-1750.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	अगस्त	57855.00	14.03.23	तेजी	32000.00	55480.00	-	55400.00
NCDEX	हल्दी	अगस्त	11296.00	06.04.23	तेजी	7035.00	10600.00	-	10550.00
NCDEX	ग्वारसीड	अगस्त	5688.00	28.06.23	तेजी	5350.00	5240.00	-	5200.00
NCDEX	कैस्टरसीड	अगस्त	6101.00	15.06.23	तेजी	5750.00	5830.00	-	5800.00
NCDEX	स्टील लांग	अगस्त	44720.00	30.01.23	मंदी	50000.00	-	46300.00	46500.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	अगस्त	2435.00	11.04.23	मंदी	2800.00	-	2670.00	2700.00
MCX	मेंथा ऑयल	जुलाई	880.20	14.03.23	मंदी	1015.00	-	917.00	920.00
MCX	**बुलडेक्स**	**जुलाई**	**16123.00**	**12.07.23**	**तेजी**	**15900.00**	**15800.00**	**-**	**15750.00**
MCX	**चांदी**	**सितम्बर**	**75326.00**	**12.07.23**	**तेजी**	**72000.00**	**71150.00**	**-**	**71000.00**
MCX	**सोना**	**अगस्त**	**59239.00**	**12.07.23**	**तेजी**	**59000.00**	**58200.00**	**-**	**58000.00**
MCX	**तांबा**	**जुलाई**	**739.80**	**13.07.23**	**तेजी**	**730.00**	**717.00**	**-**	**715.00**
MCX	**लेड**	**जुलाई**	**182.60**	**13.07.23**	**साइडवेज**	**182.00**	**178.00**	**187.00**	**-**
MCX	**जिंक**	**जुलाई**	**219.65**	**13.07.23**	**तेजी**	**215.00**	**211.00**	**-**	**210.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**जुलाई**	**201.90**	**12.07.23**	**साइडवेज**	**199.00**	**195.00**	**210.00**	**-**
MCX	**कच्चा तेल**	**अगस्त**	**6257.00**	**12.07.23**	**तेजी**	**6050.00**	**6000.00**	**-**	**5950.00**
MCX	**नेचुरल गैस**	**जुलाई**	**210.80**	**12.07.23**	**मंदी**	**220.00**	**-**	**237.00**	**240.00**

*13/07/2023 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी। उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

कच्चा तेल (अगस्त) एमसीएक्स

कच्चा तेल (अगस्त) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 6330.00** **निचला स्तर: 5574.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 13 जुलाई 2023 को 6257.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 5946.48 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 80.248 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6000.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6600.00 रू के टारगेट के लिए 6200.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

स्टील (अगस्त) एनसीडीईएक्स

स्टील (अगस्त) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 47090.00** **निचला स्तर: 44010.00**

एनसीडीईएक्स में स्टील (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 13 जुलाई 2023 को 44720.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 46850.29 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 12.982 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

45700.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 43500.00 रू के टारगेट के लिए 45100.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

तांबा (जुलाई) एमसीएक्स

तांबा (जुलाई) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 742.40** **निचला स्तर: 698.00**

एमसीएक्स में तांबा (जुलाई) कॉन्ट्रैक्ट 13 जुलाई 2023 को 739.80 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 723.00 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 69.758 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

723.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 750.00 रू के टारगेट के लिए 733.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

महाराष्ट्र और हाल के दिनों में अधिक बारिश के कारण फसल खराब होने की बढ़ती चिंताओं के कारण पिछले सप्ताह हल्दी की कीमतों में जोरदार तेजी देखी गई। जून में मानसून की धीमी प्रगति के कारण बुआई के मौसम में पहले ही देरी हो चुकी है और अब भारी वर्षा के कारण प्रमुख उत्पादक राज्यों में फसल की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्टॉकिस्ट बहुत सक्रिय हैं और आगामी आपूर्ति परिदृश्य को देखते हुए आक्रामक खरीदारी कर रहे हैं। बुआई के समय मानसून की चिंताओं के कारण वर्ष 2023 में हल्दी का क्षेत्रफल 15-20% कम होने का अनुमान है, जो मिल मालिकों और स्टॉकिस्टों को आक्रामक खरीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले 2 सप्ताह में हाजिर कीमतें 15% से अधिक बढ़ी हैं और निजामाबाद बाजार में कीमतें 10500 पर पहुंच गई हैं। हाल के महीनों में हल्दी की निर्यात मांग में भी सुधार हुआ है जिससे बाजार के सेंटीमेंट को भी समर्थन मिलेगा। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समय अवधि के दौरान पिछले वर्ष के 30.9 हजार टन की तुलना में लगभग 39.42 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जो साल-दर-साल 28% अधिक है। हल्दी वायदा(अगस्त) की कीमतों के 9800-13100 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

60000 के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब मुनाफावसूली के कारण जीरा वायदा की कीमतों में गिरावट हुई है। अगस्त से तुर्की में नई आवक शुरू होने के मद्देनजर, स्टॉकिस्टों ने अपने सौदों को कम करना शुरू कर दिया है, जिससे वायदा मंच पर मुनाफावसूली बढ़ गई है। भौतिक मांग कम रही है क्योंकि त्योहारी और शादी के मौसम की मांग में कमी के कारण मिलें ताजा खरीदारी में कम रुचि दिखा रही हैं। सौराष्ट्र और पश्चिम राजस्थान में शुष्क मौसम के पूर्वानुमान से बाजार में आवक बढ़ेगी जिससे कीमतों पर दबाव पड़ेगा। मिल मालिकों के पास कम भंडार के कारण गिरावट सीमित रहने की संभावना है। मजबूत निर्यात से भी कीमतों में मजबूती को समर्थन मिलेगा। बाजार वर्ष 2023-24 में जीरा की निर्यात मांग में वृद्धि हुई है क्योंकि अप्रैल-मई के लगातार 2 महीनों में निर्यात पिछले वर्ष के 23 हजार टन की तुलना में बढ़कर 47 हजार टन हो गया। जीरा वायदा(अगस्त) की कीमतों के 51600- 61500 के दायरे में रहने की संभावना है।

बाजार में आवक बढ़ने से धनिया की कीमतों में गिरावट की संभावना है। राजस्थान में मौसम सूखा है जिससे आवक में वृद्धि होगी। अधिकांश मिलों के पास भारी स्टॉक हैं जिससे आने वाले दिनों में खरीद गतिविधियां धीमी हो जाएंगी। लेकिन निर्यात मांग में सुधार हुआ है जिससे कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लगेगी। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समयावधि के दौरान पिछले वर्ष के 6.23 हजार टन के मुकाबले लगभग 35.4 हजार टन का निर्यात किया। धनिया (अगस्त) की कीमतों के 6450-7000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

बुआई गतिविधियों में प्रगति के साथ कपास की कीमतों के साइडवेज कारोबार होने की संभावना है। 14 जुलाई तक चालू वर्ष और पिछले वर्ष के बीच बुआई क्षेत्र का अंतर कम होकर 5% हो गया है, जबकि पिछले सप्ताह यह 10% था। गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, लेकिन मानसून की चिंताओं के कारण महाराष्ट्र और तेलंगाना में बुआई में देरी हुई है। कपास में बढ़त सीमित होने की संभावना है क्योंकि महाराष्ट्र में भारी वर्षा के आईएमडी के पूर्वानुमान ने किसानों के बीच एक बड़ी उम्मीद बढ़ा दी है जिससे कपास के क्षेत्र में वृद्धि होगी। एमसीएक्स पर कॉटन (जुलाई) की कीमतें 54000-58000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1450-1530 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

बाजार में आवक की गति धीमी होने के कारण कॉटनसीडऑयलकेक(अगस्त) वायदा की कीमतों में तेजी की संभावना है। रकबा कम होने की रिपोर्ट से कीमतों में मजबूती आएगी। अन्य ऑयलमील की बढ़ती कीमतों से कॉटनसीडऑयलकेक के लिए बाजार में सेंटीमेंट बेहतर रहने की संभावना है। कॉटनसीडऑयलकेक की कीमतों के 2350-2650 के दायरे में रहने की संभावना है।

राजस्थान और गुजरात में बुआई की प्रगति बढ़ने के कारण ग्वारसीड (अगस्त) वायदा की कीमतों में तेजी की संभावना है। 13 जुलाई तक राजस्थान में ग्वार की बुआई लगभग 15 लाख हेक्टेयर में की गई, जबकि पिछले साल 13.3 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। राजस्थान ही नहीं, गुजरात में भी ग्वार का रकबा काफी बढ़ा है। गुजरात में 10 जुलाई तक लगभग 34.6 हजार हेक्टेयर में ग्वारसीड बोया गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 1.6 हजार हेक्टेयर था। निकट भविष्य में ग्वार सीड की कीमतें 5450-5850 के दायरे में कारोबार कर सकती है जबकि ग्वारगम की कीमतों के 9900-12000 के दायरे में रहने की संभावना है।

नई फसल की आपूर्ति बढ़ने से मेंथा ऑयल वायदा (जुलाई) की कीमतों में गिरावट की संभावना है। उत्तर प्रदेश और बिहार में कटाई गतिविधियों में तेजी आने से आपूर्ति बढ़ गई है। अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण उपज बढ़ने से उत्पादन की संभावनाओं में सुधार हुआ है। इसके अलावा, मेन्थॉल के कमजोर निर्यात की रिपोर्ट से कीमतों पर दबाव पड़ेगा। मेंथा ऑयल की कीमतों के 860-910 के दायरे में रहने की संभावना है।

गुजरात में अरंडी के उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि की रिपोर्ट के कारण अरंडी की कीमतों में गिरावट की संभावना है। बुआई गतिविधियां बेहतर गति से चल रही हैं क्योंकि 13 जुलाई तक गुजरात में लगभग 73.5 हजार हेक्टेयर में अरंडी की बुआई हुई थी, जबकि पिछले वर्ष 13.7 हजार हेक्टेयर में बुआई हुई थी। अरंडी (अगस्त) वायदा की कीमतों के 5650-6200 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

अप्रैल के बाद से पिछला सप्ताह सोने के लिए सबसे अच्छा रहा, और अमेरिका में आगे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घटती उम्मीदों के बीच यह एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान डॉलर एक साल से अधिक के सबसे निचले स्तर पर लुढ़क गया। इसके अतिरिक्त अमेरिकी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की कम होती संभावनाओं ने सोने की कीमतों में इस उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्योंकि डॉलर के कमजोर होने से निवेशकों ने सोने में निवेश किया। परिणामस्वरूप, डॉलर काफी कमजोर हो गया और एक वर्ष से अधिक समय में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। इसबीच बेरोजगारी लाभ के लिए नए दावे दायर करने वाले अमेरिकियों की संख्या में अप्रत्याशित रूप से कमी आई है। इस अप्रत्याशित गिरावट से पता चलता है कि अमेरिकी श्रम बाजार बेहतर बना हुआ है, जो अपेक्षाकृत स्वस्थ आर्थिक माहौल को दर्शाता है। लेकिन इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद, फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वालर ने अमेरिकी मुद्रास्फीति के बारे में आपत्ति व्यक्त की। उन्होंने स्थिति का समाधान होने की घोषणा करने से परहेज किया और वर्ष के अंत में दरों में अतिरिक्त बढ़ोतरी की प्राथमिकता व्यक्त की। वालर को आगामी जुलाई बैठक के दौरान ब्याज दरों में वृद्धि की आशंका है, जो संभावित मुद्रास्फीति के दबावों से निपटने के लिए फेड की प्रतिबद्धता का संकेत है। मुद्रास्फीति को लेकर फेडरल रिजर्व गवर्नर वालर का सतर्क रुख अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर चल रही चिंताओं और अनिश्चितताओं को रेखांकित करता है। तकनीकी मोर्चे पर, कॉमेक्स पर सोने की कीमतें 1960 डॉलर के रेजिस्टेंस के करीब कारोबार कर रही है, इस स्तर से ऊपर जाने पर 1990 डॉलर तक तेजी दर्ज की जा सकती है। लेकिन यदि कीमतें इस स्तर से ऊपर टिकने में विफल रहती हैं, तो नरमी का रूझान देखा जा सकता है। कॉमेक्स पर चांदी की कीमतें 23. 20-26.100 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है। इस सप्ताह में सोने की कीमतों में सकारात्मक बदलाव जारी रह सकता है और और कीमतें 58500-60000 के दायरे में रह सकती है। चांदी की कीमतें तेजी के रुझान के साथ 72000-79000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

पिछले सप्ताह कच्चे तेल में लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त दर्ज की गई, और यह सिलसिला अप्रैल के बाद से नहीं देखा गया। लीबिया और नाइजीरिया में आपूर्ति में व्यवधान की चिंताओं के साथ-साथ मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के बीच अमेरिकी कच्चे तेल की बढ़ती मांग की उम्मीदों के कारण कच्चे तेल की कीमतों को मदद मिल रही है। लीबिया में एक पूर्व मंत्री के अपहरण पर स्थानीय जनजाति के विरोध प्रदर्शन के कारण कुछ तेल क्षेत्र बंद कर दिए गए। इसके अतिरिक्त, शेल ने एक टर्मिनल पर संभावित रिसाव के कारण नाइजीरिया के फोर्कादोस कच्चे तेल की लोडिंग को निलंबित कर दिया। रूसी कच्चे तेल के निर्यात में गिरावट के साथ इन व्यवधानों ने तेल बाजार में कमी की उम्मीदों को बढ़ावा दिया है। दुनिया के प्रमुख तेल निर्यातक सऊदी अरब और रूस के बीच तेल उत्पादन में अधिक कटौती करने के लिए हाल ही में हुए समझौते ने कच्चे तेल की कीमतों को और बढ़ा दिया है। ये कटौती पिछले साल नवंबर से जारी है और तेल की कीमतों में बढ़ोतरी को अतिरिक्त समर्थन प्रदान करती है। इसके अलावा, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ने 2023 के लिए अपने तेल मांग के पूर्वानुमान को संशोधित किया, जिससे 2024 के लिए मांग में 2.2% की वृद्धि का अनुमान लगाया गया। भविष्य की मांग के लिए इस सकारात्मक दृष्टिकोण ने कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर उम्मीदों को बढ़ा दिया है। इस सप्ताह में कीमतों में बढ़ोतरी जारी रह सकती है और कीमतें 6040-6590 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। नेचुरल गैस की कीमतों में गिरावट देखी गई। कीमतों में गिरावट के साथ-साथ ओपन इंटरेस्ट और ट्रेडिंग वॉल्यूम में भी बढ़ोतरी हुई, जो निकट भविष्य में गिरावट जारी रहने का संकेत देता है। इस सप्ताह में कीमतें व्यापक दायरे में कारोबार कर सकती हैं, जहां दोनों तरफ उतार-चढ़ाव की उम्मीद है और कीमतें 200-230 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें तेजी के रूझान के साथ कारोबार कर सकती हैं और गिरावट पर खरीदारी एक अच्छी रणनीति हो सकती है क्योंकि बाजार उम्मीद कर रहा हैं कि मुद्रास्फीति कम होने के कारण फेडरल रिजर्व अपने दर वृद्धि की प्रक्रिया के अंत के करीब है। यदि मुद्रास्फीति धीमी बनी रहती है, तो फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गति को समाप्त करने का निर्णय ले सकता है। लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से इनकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि आंकड़ों से पता चलता है कि चीन का निर्यात पिछले महीने तीन साल पहले कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से सबसे तेज गति से कम हुआ है, क्योंकि धीमी वैश्विक अर्थव्यवस्था चीनी नीति निर्माताओं पर नए प्रोत्साहन के लिए दबाव बढ़ा रही है। जैसे-जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है, विदेशी उपभोक्ता चीनी कारखानों से कम सामान खरीद रहे हैं। तांबे की कीमतें 725-755 के दायरे में कारोबार कर सकती है। सीमा शुल्क के सामान्य प्रशासन के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन ने जून में 449,649 मीट्रिक टन कच्चे तांबे और तांबे के उत्पादों का आयात किया, जो एक साल पहले की तुलना में 16.4% कम है। पेरू के ऊर्जा और खान मंत्रालय ने कहा कि देश में तांबे का उत्पादन पिछले साल के इसी महीने की तुलना में मई में लगभग 35% बढ़ गया। जिंक की कीमतें 212-230 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेड की कीमतें 178-186 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 195-210 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। प्राथमिक, मिश्र धातु और अर्ध-तैयार एल्युमीनियम उत्पादों सहित कच्चे एल्युमीनियम और एल्युमीनियम उत्पादों का पिछले महीने चीनी निर्यात 492,631 मीट्रिक टन था, जो जून 2022 से 18.9% कम है। स्टील लॉन्ग वायदा (अगस्त) की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 43800-45500 के दायरे में कारोबार कर सकती है। चीन की धीमी आर्थिक वृद्धि और चल रहे संपत्ति संकट ने स्टील की कीमतों और मांग को प्रभावित किया है, और चीन की मिलें 2023 के पहले पांच महीनों में घाटे में चल रही हैं।

भारत द्वारा रूसी तेल का आयात

मास्को द्वारा पिछले वर्ष 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगी देश मास्को को उसकी आक्रामकता के लिए दंडित करने के लिए रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने के लिए अन्य देशों को मजबूर कर रहे हैं। लेकिन आर्थिक आवश्यकता और कम कीमतों पर खरीद, ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, से लेकर ऊर्जा सुरक्षा को देखते हुए, भारत ने इसके विपरीत काम किया है क्योंकि भारत अतीत की की उन गलतियों को दोहराना नहीं चाहता था, जब ईरान पर प्रतिबंधों का पालन करके भारत ने तेल आयात रोक दिया था, जबकि चीन ने ईरानी तेल की खरीद जारी रखा था। यूक्रेन के साथ संघर्ष शुरू होने और अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बाद रूस भी अपने यूराल कच्चे तेल के लिए खरीदारों की तलाश कर रहा था और रियायती कीमतों पर तेल की पेशकश की थी। भारत, जो अपनी तेल की जरूरतों का लगभग 2% रूस से आयात करता था, ने संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों के रूस से कच्चा तेल न खरीदने के दबाव को नजरअंदाज कर दिया और अपने आयात को बढ़ा दिया।

रूस से कच्चे तेल के आयात में उछाल

यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भारत रूसी तेल के प्रमुख उपभोक्ता के रूप में उभरा। भारत में रूसी तेल का आयात 2022 की शुरुआत में बहुत कम आधार से बढ़ा, जो पूरे वर्ष में काफी बढ़ गया। भारत में 2022 में रूसी तेल आयात दस गुना बढ़ गया। भारत ने रियायती कीमतों पर खरीदे गए रूसी कच्चे तेल में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी । जून में भारत ने अपना 39.5 प्रतिशत कच्चा तेल रूस से आयात किया, जो मॉस्को और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने से पहले जनवरी 2022 में केवल 2 प्रतिशत था।

रूस से तेल आयात का हिस्सा

पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से पहले, भारत फरवरी 2022 तक 12 महीनों में लगभग 44,500 बैरल प्रति दिन की खरीद के साथ रूसी कच्चे तेल का एक छोटा आयातक था। यह अपने घरेलू उत्पादन से कम था। अब, इस साल मई में रूस से भारत का तेल आयात बढ़कर लगभग 1.96 मिलियन बैरल प्रति दिन के रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वोर्टेक्सा के आंकड़ों से पता चलता है कि मई की तुलना में जून में रूस ने भारत को 1.79 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल की आपूर्ति की।

लेकिन, रूस जून में भारत को कच्चे तेल का शीर्ष आपूर्तिकर्ता बना रहा। रूस से आयात कच्चे तेल के पारंपरिक आपूर्तिकर्ता सउदी अरब और इराक से कच्चे तेल के संयुक्त आयात से अधिक हो गया। जून में, भारत ने सऊदी अरब से 7,34,000 बैरल प्रति दिन और इराक से 8,44,000 बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का आयात किया। इन दोनों मध्य-पूर्वी देशों से कच्चे तेल का संयुक्त आयात जून में पिछले महीने की तुलना में बढ़ा है। भारत ने जून में अपनी जरूरत का 16.1 फीसदी कच्चा तेल सऊदी अरब से और 18.5 फीसदी इराक से आयात किया। मई में, भारत ने सऊदी अरब से 5,60,000 बैरल प्रति दिन और इराक से 8,39,000 बैरल प्रति दिन आयात किया।

स्रोत: एसएमसी रिसर्च और भारतीय वाणिज्य मंत्रालय

भारत को लाभ

भारत को होने वाला फायदा अहम हैं। सस्ता रूसी तेल घरेलू बाजार में कम कीमतों पर ईंधन बेचने वाले सरकारी भारतीय रिफाइनरों के घाटे को कम कर रहा है। यद्यपि छूट अब कम हो रही है, लेकिन भारत ने रूस से तेल आयात करना जारी रखा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, भारत के सरकारी स्वामित्व वाले तेल प्रोसेसर, इंडियन ऑयल कॉर्प, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम भारत में रूसी कच्चे तेल के लिए छह महीने तक आपूर्ति संपर्कों को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।